हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 88 देहरादून, बृहस्पतिवार 22 सितंबर, 2022 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

एकता व अध्यात्म की शक्ति से भारत विश्व गुरु बनेगा : सतपाल महाराज 3

किसाऊ बांध बहुद्देशीय परियोजना उत्तराखण्ड के विकास में मील का पत्थर साबित होगी : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

दिल्ली / देहरादून 22 सितंबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेद्र सिंह शेखावत की अध्यक्षता में किसाऊ बांध बहुद्देशीय परियोजना पर आयोजित बैठक में प्रतिभाग किया। बैठक में हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर और हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर ने वर्चुअल प्रतिभाग किया।बैठक में उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने परियोजना के संबंध में अपने-अपने राज्य का पक्ष रखा। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि परियोजना डीपीआर की लागत बढ़ने की दशा में विद्युत घटक लागत को स्थिर रखा जाए अथवा बढ़ी हुई विद्युत घटक लागत को अन्य चार लाभार्थी राज्यों उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान व दिल्ली द्वारा वहन किया जाए। ताकि राज्य के उपभोगताओं को सस्ती दर पर विद्युत आपूर्ति उपलब्ध हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह राष्ट्रीय परियोजना, उत्तराखण्ड के विकास हेतु मील का पत्थर साबित होगी क्योंकि परियोजना विकास की अवधि में स्थानीय निवासियों व ग्रामीणों को आय वृद्धि के विभिन्न संसाधन यथा स्थाई व अस्थाई रोजगार प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से उपलब्ध होंगे। क्षेत्र के विकास व जनकल्याण हेतु समय- समय पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों के सहयोग से क्षेत्र विशेष हेतु लाभप्रद योजनाएं विकसित की जाएगी, जिससे पलायन की समस्या पर काफी हद तक नियंत्रण किया जा सकेगा।

केंद्रीय मंत्री गजेद्र सिंह शेखावत ने कहा कि बैठक मे उठाए गए बिंदुओ पर विचार विमर्श कर जल्द ही अगली बैठक आयोजित की जाएगी।

गौरतलब है कि किशाऊ बहुउद्देशीय बाँध परियोजना के क्रियान्वयन का कार्य उत्तराखण्ड एवं हिमाचल प्रदेश सरकार के संयुक्त उपक्रम किशाऊ कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है। इस परियोजना को फरवरी 2008 में राष्ट्रीय परियोजना घोषित किया गया है। किशाऊ बाँध परियोजना एशिया का दूसरी सबसे बड़ी बाँध परियोजना होगी। जिसे इसकी ऊंचाई 236 मीटर एवं लम्बाई 680 मीटर होगी। किशाऊ परियोजना उत्तराखण्ड राज्य के जनपद देहरादून एवं हिमाचल प्रदेश के जनपद सिरमौर में टोंस नदी पर प्रस्तावित है, इसमें 1324 एम0सीए०एम० जीवत भण्डारण द्वारा 97076 हेक्टेयर भूमि की सिंचाई, 617 एम०सी०एम० पेयजल एवं औद्योगिक उपयोग हेतु जल प्राप्त होगा, जिससे तीन राज्यों उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान की सिंचाई आवश्यकता तथा दिल्ली की पेयजल आवश्यकता की पूर्ति की जा सकेगी, साथ ही साथ 660 मेगावाट जल विद्युत उत्पादन होगा, जिससे 1379 एम०यू० हरित विद्युत ऊर्जा प्राप्त होगी जो कि उत्तराखण्ड व हिमाचल प्रदेश को बराबर-बराबर प्राप्त होगी।

केन्द्रीय जल आयोग द्वारा परियोजना की कुल लागत मार्च, 2018 के मूल्य स्तर के अनुसार रू० 11550 करोड़, जिसमें जल घटक की लागत रु.10013.96 करोड एवं विद्युत घटक की लागत रु. 1536.04 करोड़ ऑकी गई है। वर्तमान में परियोजना की डीपीआर का कार्य प्रगति पर है, जिसमें परियोजना की लागत बढ़ने का अनुमान है।

राष्ट्रीय परियोजना होने के दृष्टिगत परियोजना के क्रियान्वयन हेतु जल घटक लागत (सिचाई एवं पीने का पानी) का 90% वित्तीय पोषण भारत सरकार द्वारा एवं 10% वित्तीय पोषण लाभार्थी राज्यों द्वारा वहन किया जाएगा तथा विद्युत घटक लागत को उत्तराखण्ड व हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा संयुक्त रूप से बराबर-बराबर वहन किया जाना है।बैठक में उत्तराखण्ड से सचिव आर मीनाक्षी सुन्दरम, हरि चंद्र सेमवाल व जलशक्ति मंत्रालय भारत सरकार के अधिकारी उपस्थित थे।

पीएम मोदी आज करेंगे केदारनाथ पुनर्निर्माण कार्यों का लाइव निरीक्षण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 22 सितंबर , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज 22 सितंबर को पीएमओ कार्यालय से केदारनाथ पुनर्निर्माण कार्यों का ड्रोन कैमरे की मदद से निरीक्षण कर सकते हैं। इसके लिए उत्तराखंड शासन व जिला प्रशासन स्तर पर तैयारियां पूरी की जा रही है।

केदारनाथ में इन दिनों दूसरे चरण के कार्य चल रहे हैं। इसके तहत कुल 21 कार्य प्रस्तावित हैं, जिसमें 10 कार्य इसी वर्ष पूरे होने हैं। इन्हीं कार्यों की स्थलीय प्रगति का जायजा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बृहस्पतिवार 22 सितंबर को पीएमओ से लाइव लेंगे।प्रधानमंत्री मोदी पहली बार 3 मई 2017 को केदारनाथ पहुंचे थे। उसी वर्ष उन्होंने केदारनाथ पुनर्निर्माण के तहत 700 करोड़ रुपये की तीन चरणों में पूरी होने वाली पांच बड़ी योजनाओं का शिलान्यास किया था।इधर, जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने बताया कि पीएम मोदी केदारनाथ पुनर्निर्माण

का निरीक्षण कर सकते हैं। इसके लिए सभी तैयारियां लगभग पूरी कर ली है। इस दौरान देहरादून में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी व मुख्य सचिव डा. एसएस संधू भी प्रधानमंत्री को लाइव जानकारी देते रहेंगे।

शाबाश बबली रानी आपने उत्तराखंड पुलिस का नाम किया ऊंचा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 22 सितम्बर। हरिद्वार में तैनात महिला होमगार्ड 2214 बबली रानी ने यातायात ड्यूटी के अंतर्गत वीआईपी घाट पर तैनात रहकर बहादुरी की मिसाल पेश की है जिनकी चर्चा आम जनता और पुलिस महकमे में हो रही है।आपको बता दें वीआईपी घाट पर ड्यूटी में तैनात रहकर महिला होमगार्ड 2214 बबली रानी ने चोरो के पीछे भागकर पुल से छलांग लगाते हुए सात मोबाइल चोरो में से एक को धर दबोचा। दबोचे गये उक्त मोबाइल चोर को महिला होमगार्ड बबली रानी के द्वारा रोड़ी बेलवाला पुलिस के हवाले किया गया। महिला होमगार्ड 2214 बबली रानी जनपद हरिद्वार की बहादुरी के लिये कमाण्डेन्ट जनरल, होमगाड्र्स श्री केवल खुराना (आई.पी.एस.) द्वारा महिला होमगार्ड बबली रानी जनपद हरिद्वार को कमाण्डेन्ट जनरल] होमगाड्र्स डिस्क (CG HG

DISC) एवं प्रशंसा प्रमाण पत्र से सम्मानित किये जाने हेतु घोषणा की गयी है। उक्त डिस्क एवं प्रशंसा प्रमाण पत्र होमगाड्र्स एवं नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस 06 दिसम्बर 2022 को प्रदान किया जायेगा।

आधार में हर 10 साल पर अपडेट करा सकेंगे बायोमेट्रिक्स डिटेल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 22 सितंबर ,आधार का दायरा बढ़ाने की तैयारी शुरू हो गई है. इसके लिए आधार की सरकारी एजेंसी यूनीक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया यानी कि यूआईडीएआई ने राज्यों से कहा है कि वे सरकारी काम में आधार का दायरा बढ़ाएं जिससे कि सरकारी पैसे की बर्बादी रोकी जा सके. योजना के मुताबिक, राज्यों में सरकारी योजनाओं में आधार ऑथेंटिकेशन का उपयोग बढ़ाया जाएगा. इसका मकसद डुप्लिकेट और फर्जी लाभार्थियों को योजना के दायरे से बाहर करना है.

यूआईडीएआई के मुताबिक हर 10 साल पर कोई व्यक्ति अपनी इच्छा से बायोमेट्रिक्स और डेमोग्राफिक डिटेल को अपडेट करा सकेगा. अभी यह नियम नहीं है. मौजूदा नियम के मुताबिक, 5 से 15 साल की उम्र के बच्चों को अपना बायोमेट्रिक्स डेटा अपडेट कराने की अनुमति दी जाती है.

बायोमेट्रिक्स अपडेट

5 साल से कम उम्र के बच्चों का बाल आधार बनाया जाता है जिसमें उसका फोटो लगा होता है और माता-पिता या अभिभावक की बायोमेट्रिक्स डिटेल दर्ज की जाती है. बच्चा जब 15 साल का हो जाता है, तो उसके बायोमेट्रिक्स को अपडेट कर दिया जाता है. इसमें फिंगरप्रिंट और आइरिस स्कैन आदि लिए जाते हैं. इस अपडेशन के लिए आधार परमानेंट एनरोलमेंट सेंटर में जाना होता है. इसी क्रम में नाम और पता आदि को भी अपडेट किया जाता है. आप चाहें तो अपने राज्य और पोस्टल कोड के आधार पर यूआईडीएआई की वेबसाइट से आधार एनरोलमेंट सेंटर की जानकारी ले सकते हैं.

बायोमेट्रिक्स कैसे सुरक्षित करें

आधार का दुरुपयोग रोकने के लिए यूआईडीएआई उसे लॉक करने की सलाह देता है. यह खास फीचर है जिसमें अस्थायी तौर पर आधार नंबर को लॉक और अनलॉक किया जा सकता है. इससे कार्ड होल्डर का बायोमेट्रिक्स डेटा सुरक्षित रहता है और गोपनीयता बनी रहती है. व्यक्ति चाहे तो ऑथेंटिकेशन से पहले अपने आधार को आसानी से अनलॉक कर सकता है. आइए जानें आधार को कैसे लॉक-अनलॉक कर सकते हैं.

हर साल एक भारतीय 50 किलो खाना बर्बाद कर रहा, चौंकाते हैं ये आंकड़े

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 22 सितंबर , देश में हर साल प्रति व्यक्ति 50 किलो खाना बर्बाद हो जाता है. आंकड़ा इतना ज्यादा है कि ऐसा करने के मामले में भारत दुनिया में दूसरे पायदान पर है. जानिए, खाने की बर्बादी के मामले में देश-दुनिया का क्या हाल है और इस बर्बादी को बचाकर क्या कुछ किया जा सकता है

देश में हर साल प्रति व्यक्ति 50 किलो खाना बर्बाद हो जाता है. यह बर्बादी का ग्राफ घट नहीं रहा. आंकड़ा इतना ज्यादा है कि ऐसा करने के मामले में भारत दुनिया में दूसरे पायदान पर है. संयुक्त राष्ट्र की फूड वेस्ट इंडेक्स रिपोर्ट 2021 कहती है, भारत में जितना भी खाना बर्बाद होता है उसमें 61 फीसदी तो रसोईघर में हो रहा है. जानिए, खाने की बर्बादी के मामले में देश-दुनिया का क्या हाल है और इस बर्बादी को बचाकर क्या कुछ किया जा सकता है...आंकड़े बताते हैं कि मुंबई में हर दिन 69 लाख किलो खाद्य सामग्री फेंकी जा रही है. इसे बचा लिया जाए तो हर दिन आधी मुंबई का पेट भरा जा सकता है.

खाने की बर्बादी का असर सिर्फ भुखमरी ही नहीं, पर्यावरण के लिए बढ़ते खतरे के रूप में भी दिखाई दे रहा है. एक अन्य रिपोर्ट के मुताबिक, 33 फीसदी ग्रीन हाउस गैसों के लिए गलत फूड चेन जिम्मेदार है... खाना बर्बाद करने में पहले पायदान पर चीन है. यहां हर साल 9.1 करोड़ टन खाना बर्बाद किया जा रहा है.

कैसे पहचानें इस विटामिन की कमी के लक्षण...

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 22 सितंबर , विटामिन बी12 की कमी एक आम स्वास्थ्य समस्या बन गई है. शरीर में रेड ब्लड सेल्स और डीएनए बनाने के लिए जिम्मेदार होने के अलावा यह मस्तिष्क और तंत्रिका कोशिकाओं को मजबूत करने में भी मदद करता है. बी 12 की कमी का जल्द पता लगाना और इसका प्रभावी ढंग से इलाज करना जरूरी है.

विटामिन बी12 की कमी के लक्षण पहचान कर आप खुद को इसके गंभीर नुकसान से बचा सकते हैं. कुछ चेतावनी संकेत शरीरिक बदलावों से पता चल जाते हैं. यहां कमी को दूर करने के लिए विटामिन बी12 के स्रोतों के बारे में बताया गया है जिन्हें आपको डाइट में शामिल करना चाहिए.

विटामिन बी12 आपके शरीर को आपकी तंत्रिका कोशिकाओं और ब्लड सेल्स को हेल्दी रखने में मदद करता है. यह आपके शरीर को डीएनए बनाने में भी मदद करता है. आपका शरीर विटामिन बी12 अपने आप नहीं बनाता है.

इसलिए आपको इसका सेवन खाने-पीने के जरिए करना होगा. मांस, डेयरी और अंडे जैसे पशु प्रोडक्ट्स में विटामिन बी 12 पाया जाता है. यह कुछ अनाज, ब्रेड और न्यूट्रिशिन यीस्ट जैसे फूड्स में भी पाया जा सकता है।

विटामिन बी 12 की कमी के चेतावनी संकेत

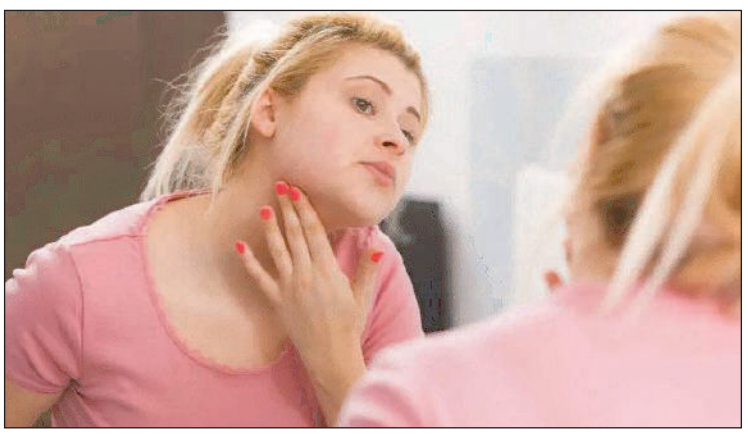

विटामिन बी 12 की कमी त्वचा की समस्याओं, खराब आंखों के स्वास्थ्य और तंत्रिका संबंधी समस्याओं से लेकर कई स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकती है. इसलिए उन सभी लक्षणों पर नजर रखना जरूरी है जो बीमारी का संकेत दे सकते हैं.

- आपकी त्वचा पर हल्का पीला रंग.
- एक पीड़ादायक और लाल जीभ
- एक मुंह के छाले- आपके चलने और घूमने के तरीके में बदलाव
- खराब आंखों की रोशनी
- चिड़चिड़ापन और अवसाद

शरीर में दिखने वाले विटामिन बी12 की कमी के लक्षण:

1) झुनझुनीएनएचएस ने विटामिन बी 12 की कमी के लक्षणों के खिलाफ चेतावनी दी है जो शरीर के चार हिस्सों में पैदा हो सकते हैं, जो हैंड, आर्म्स, लेग या फीट हैं. इस विटामिन की कमी वाले लोगों को शरीर के इन चार क्षेत्रों में ₹अजीब₹ सनसनी का अनुभव हो सकता है.

हालांकि, झुनझुनी का अनुभव करने का मतलब यह नहीं है कि आपके पास विटामिन बी 12 की कमी है. यह कई अन्य स्थितियों के कारण हो सकता है, जिसमें नसों पर दबाव, नसों में दर्द, तंत्रिका रोग, खून की कमी, हाइपरवेंटिलेशन, डायबिटीज, मल्टीपल स्केलेरोसिस, हाइपरथायरायडिज्म और बहुत कुछ शामिल हैं.

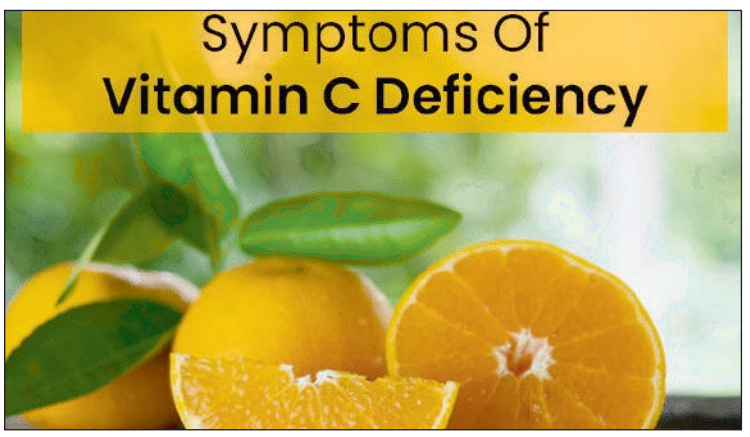

डायबिटीज इसके पीछे प्राथमिक कारणों में से एक है. यह आमतौर पर फेरिफेरल न्यूरोपैथी से जुड़ा होता है, जो झुनझुनी और अन्य लक्षणों को जन्म देता है जो अक्सर दोनों पैरों में विकसित होते हैं. किडनी विकार, लीवर रोग, वैस्कुलर डैमेज शरीर में झुनझुनी पैदा कर सकते हैं.

2) जीभ प्रभावित हो सकती हैविटामिन बी12 की कमी से भी मुंह की समस्याएं हो सकती हैं, जिससे मुंह के छाले, घाव, जीभ में सूजन और लालिमा हो सकती है.

3) गले में खराशगले में खराश बी12 की कमी के स्पष्ट लक्षणों में से एक है. क्योंकि विटामिन बी12 की कमी असामान्य रूप से बड़ी मात्रा में लाल रक्त कोशिकाओं का उत्पादन कर सकती है जो ठीक से काम नहीं करती हैं, जिसकी वजह से एनीमिया होता है.

विटामिन बी12 से भरे फूड्स

विटामिन बी12 एक ऐसा पोषक तत्व है जो शरीर में प्राकृतिक रूप से नहीं बनता है. ऐसे फूड्स का सेवन करना जरूरी है जो इस विटामिन से भरपूर हों और आप कुछ सप्लीमेंट डाइट का भी सहारा ले सकते हैं.विटामिन बी 12 के कुछ बेहतरीन स्रोतों में पोर्क, हैम, पोल्ट्री, डेयरी प्रोडक्ट्स जैसे दूध, पनीर और दही और अंडे शामिल हैं. विटामिन बी 12 के सबसे समृद्ध स्रोत पशु प्रोडक्ट हैं. वेजिटेरियन और वेगन फूड्स पर्याप्त नहीं हो सकते हैं. हालांकि, पालक, चुकंदर, चना जैसे फूड्स पोषक तत्वों के महान शाकाहारी स्रोत हैं.

टीबी उन्मूलन अभियान की हर सप्ताह होगी समीक्षा : डॉ0 धन सिंह रावत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

- कहा, नि-क्षय मित्र बनकर टीबी मरीजों के उपचार में बने भागीदार
- डेंगू रोकथाम को सीएमओ को दिये प्रभावी कदम उठाने के निर्देश

देहरादून, 22 सितम्बर ,चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने प्रदेश में डेंगू की रोकथाम के लिये विभागीय अधिकारियों को प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि माह अक्टूबर तक का समय डेंगू संक्रमण के लिये काफी संवेदनशील है। जिसको देखते हुये प्रत्येक स्तर पर लगातार मॉनिटरिंग की नितांत आवश्यकता है। प्रधानमंत्री टीबी उन्मूलन अभियान के तहत प्रदेश में नि-क्षय मित्र बनाने के अभियान में तेजी लाने के निर्देश अधिकारियों को दिये।

उन्होंने कहा कि प्रदेश स्तर पर टीबी उन्मूलन अभियान की हर सप्ताह समीक्षा की जायेगी।स्वास्थ्य मंत्री डॉ0 रावत ने आज सचिवालय स्थित वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली सभागार में टीबी मुक्त उत्तराखंड अभियान एवं डेंगू की रोकथाम को लेकर विभागीय अधिकारियों की बैठक ली। जिसमें स्वास्थ्य विभाग, पंचायतीराज विभाग एवं सहकारिता विभाग के उच्चाधिकारियों ने प्रतिभाग किया। डॉ0 रावत ने कहा कि पूरे प्रदेश में अब तक करीब 650 डेंगू के मामले सामने आये हैं, जिनमें से अधिकतर देहरादून व हरिद्वार जनपदों में हैं। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को डेंगू के संक्रमण की रोकथाम के लिये प्रभावी कदम उठाने व संभावित क्षेत्रों में जन जागरूकता अभियान चलाये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारियों को निर्देश दिये कि चिन्हित डेंगू मरीजों के उपचार में किसी तरह की लापरवाही न बरती जाये। टीबी मुक्त अभियान की समीक्षा करते हुये विभागीय मंत्री ने कहा कि प्रदेश में करीब 15200 चिन्हित टीबी मरीजों को आगामी 02 अक्टूबर तक नि-क्षय मित्रों द्वारा गोद लिया जाना है। भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार स्वास्थ्य विभाग के साथ ही पंचायतीराज विभाग व सहकारिता विभाग को टीबी मरीजों को 01 से 03 वर्ष तक गोद लेकर अभियान को सफल बनाने में सक्रिय भागीदारी निभानी है। इसके अलावा औद्योगिक संस्थान, एनजीओ, शिक्षण संस्थान, राजनीतिक दल व व्यक्ति विशेष भी नि-क्षय मित्र बनकर टीबी मरीजों के उपचार में भागीदार बन सकते हैं। बैठक में सचिव सहकारिता डॉ0 बी0वी0आर0सी0 पुरूषोत्तम ने कहा कि सहकारिता विभाग के अंतर्गत सभी 670 पैक्स समितियां एवं 350 सहकारी बैंक व वह स्वयं तथा विभागीय अधिकारी नि-क्षय मित्र बनकर टीबी मरीजों के उपचार में भगीदारी सुनिश्चित करेंगे। इसके लिये उन्होंने शीघ्र ही विभागीय बैठक का आयोजन कर सभी समितियों व सहकारी बैंकों को निर्देश जारी करने की बात कही। बैठक में निदेशक पंचायतीराज विभाग बंशीधर तिवारी ने कहा कि टीबी मुक्त उत्तराखंड अभियान में विभाग के अंतर्गत सभी जिला पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सदस्य, ब्लॉक प्रमुख, जेष्ठ उप प्रमुख तथा ग्राम प्रधान स्वैच्छिक रूप से एक-एक टीबी मरीजों को गोद लेंगे।बैठक में सचिव सहकारिता डॉ0 बी0वी0आर0सी0 पुरूषोत्तम, सचिव स्वास्थ्य डॉ0 आर0 राजेश, महानिदेशक सूचना एवं निदेशक पंचायतीराज बंशीधर तिवारी, अपर सचिव स्वास्थ्य अमनदीप कौर, निबंधक सहकारिता आलोक पाण्डेय, प्रभारी महानिदेशक स्वास्थ्य डॉ0 विनीता शाह, सीएमओ देहरादून डॉ0 मनोज उप्रेती, अपर निबंधक सहकारिता ईरा उप्रेती, संयुक्त निबंधक एम0पी0 त्रिपाठी, डॉ0 एस0के0 झा, डॉ0 पंकज सिंह आदि अधिकारी उपस्थित रहे जबकि सभी जनपदों के मुख्य चिकित्साधिकारी एवं डीटीओ ने वर्चुअल माध्यम से बैठक में प्रतिभाग किया।

एकता व अध्यात्म की शक्ति से भारत विश्व गुरु बनेगा : सतपाल महाराज

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया सतपाल महाराज का 71वां जन्मोत्सव

आशीष तिवारी की विशेष रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार 22 सितम्बर , आध्यात्मिक गुरू और उत्तराखण्ड के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज का 71वां जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर अनेक राजनीतिक, आध्यात्मिक और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए दीर्घायु की कामना की।आध्यात्मिक गुरू और उत्तराखण्ड के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज के 71वें जन्मोत्सव के अवसर पर बुधवार को जहाँ एक ओर देश के कोने कोने से आये उनके अनुयायियों ने उनका जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया वहीं दूसरी ओर राजनीतिक, आध्यात्मिक और सामाजिक क्षेत्र से जुड़ी अनेक महत्वपूर्ण हस्तियों ने हरिद्वार स्थित उनके प्रेम नगर आश्रम में पहुंचकर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए दीर्घायु की कामना की। गया।इस मौके पर श्री प्रेम नगर आश्रम में आयोजित एक सद्भावना सम्मेलन को संबोधित करते हुए सुविख्यात समाजसेवी व उत्तराखंड सरकार में कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि एकता व अध्यात्म की शक्ति से ही भारत विश्व गुरु बनेगा।उन्होंने कहा कि जब-जब आध्यात्मिक महापुरुष आते हैं राजनीति में तब कल्याणकारी मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होने कहा कि रेल राज्य मंत्री बनने पर जब ऋषिकेश से कर्णप्रयाग रेल लाइन का सर्वे कराया तो लोगों को शक हुआ कि यह कैसे संभव होगा? पर वह आज कार्यान्वित हो रहा है। इस रेल लाइन के बनने से उत्तराखंड के साथ साथ यहाँ आने वाले अनगिनत तीर्थ यात्रियों को भी लाभ होगा। महाराज ने कहा कि डिफेंस कमेटी में वन रैंक वन पेंशन का मुद्दा आसान नहीं था पर उस को सुलझाने में हमने मदद की। हमारा देश रूस व अमेरिका के सेटेलाइट टेक्निक पर चलता था हमने स्वदेशी जीपीएस के लिए माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस विषय पर बात करके वह कार्य भी पूरा कराया, कुछ और भी कराना बाकी है। हमारे वैज्ञानिकों को अमेरिका का वीजा नहीं मिलता था वह भी वार्ता के जरिए खुलवाया और पर्वतीय क्षेत्र में विकास हेतु गैरसैंण को राजधानी हेतु बजट स्वीकृत कराया और वह सपना साकार हुआ। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और आध्यात्मिक गुरू सतपाल महाराज ने जीवन में अध्यात्म की महत्ता को बताते हुए कहा कि आज भी वैज्ञानिक कहते हैं कि भगवान श्री कृष्ण ने जो गीता सुनाई उसका स्पंदन वायुमंडल में विद्यमान है और उसे आप सुन सकते हैं। ऐसे ही कोडेड इंफॉर्मेशन सूचना के अंतर्गत आज सूचना क्रांति से सूचनाओं का भंडार उपलब्ध हो रहा है।उन्होंने देश की समस्याओं के समाधान व समग्र विकास हेतु एकता की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि जब देवप्रयाग में सभी धाराएं मिलकर एक होकर आगे बढ़ी तब वह गंगा बनकर समुद्र तक पहुंच सकीं। लोगों को विश्वास नहीं था कि कोरोना वैक्सीन बन पाएगी पर भारत ने वैक्सीन बनाकर सबको सुलभ कराई और अनेक देशों को भी लाभ पहुंचाया। अतः हमारे ऋषियों ने सारे संसार की मंगल कामना की, उन्होंने अपनी कौम या बिरादरी मात्र के लिए नहीं बल्कि सर्वे भवंतु सुखिनः के उदघोष से समस्त विश्व के कल्याण की कामना की।सतपाल महाराज के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित सद्भावन सम्मेलन में उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष रितु खंडूरी, उत्तराखंड भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, महेंद्र भट्ट, कैबिनेट मंत्री धन सिंह रावत, सुबोध उनियाल, विधायक दुर्गेश लाल, खजानदास, सुरेश चौहान, नगर उटारी राजा साहब (पूर्व मंत्री), सूचना विभाग, भारत सरकार के कमिश्नर उदय महुक, पूर्व मंत्री अमृता रावत, विभु जी महाराज, रीवा के महाराज पुष्पराज सिंह, युवराज दिव्यराज सिंह (विधायक सिरमौर) तथा पार्टी के पदाधिकारीगण व कार्यकर्ताओं सहित अनेक गणमान्य अतिथियों शुभकामनाये दी।

प्रभारी सचिव स्वास्थ्य डॉ आर राजेश कुमार के फर्स्ट टाइम रिस्पांडर बनेंगे संकटमोचक

आशीष तिवारी की विशेष रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 22 सितंबर ,प्रदेश की ब्यूरोक्रेसी में रिज़ल्ट ओरिएंटेड ऑफिसरों में आईएएस डॉ0 आर. राजेश कुमार का नाम टॉप लिस्ट में शामिल है।देहरादून के डीएम रहते हुए प्रशासनिक सुधार रहा हो या स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट को तेज़ी से आगे बढ़ाने का कौशल , डॉ आर. राजेश कुमार ने सरकार की हर उम्मीद और चुनौती को बखूबी पूरा किया है। यही वजह है कि धामी सरकार ने उन्हें अब बड़ी ज़िम्मेदारी दी है। जबसे उन्हें प्रदेश की चुनौतीपूर्ण स्वास्थ्य सेवा का ज़िम्मा मिला है डॉ कुमार ने पहले दिन से ही अपनी प्रभावशाली कार्य योजना तैयार कर ली है।

प्रभारी सचिव राजेश कुमार का कहना है कि दूरस्थ इलाकों में चिकित्सा व्यवस्था की बहुत समस्या बहुत है. इसे आसानी से सुधार पाना भी विषम भौगोलिक परिस्थियों को देखते हुए मुश्किल है. ऐसे में 2 विकल्प तलाशे जा रहे हैं. पहला हेली सेवा की लैंडिंग के लिए व्यवस्था और दूसरा गांव में ही फर्स्ट टाइम रिस्पांडर तैयार करना. जिसपर हेल्थ डिपॉर्टमेन्ट के सभी अधिकारियों के साथ रोडमैप बनाया जा रहा है.प्रभारी सचिव स्वास्थ्य डॉ आर राजेश कुमार ने बताया कि इसके लिए टीम गोल्डन ऑवर पर काम करेगी यानी 1 घंटे के अंदर जान बचाने के लिए किये जाने वाले उपाय का प्रयास किया जाएगा.हेल्थ डिपॉर्टमेन्ट अब अंदरूनी इलाकों में "फर्स्ट टाइम रिस्पॉन्डर" तैयार करने की प्लानिंग में है. जो पहाड़ों में किसी भी स्थिति में तुरन्त राहत के लिए पहुंच सकेगा. उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में चिकित्सा को लेकर हमेशा समस्याएं बनी रहती हैं. यहां मरीजों को अस्पताल ले जाने के लिए भारी दिक्कत का सामना करना पड़ता है. दूर दराज के ग्रामीण क्षेत्रों में यह समस्या और अधिक है. अनुभवी आईएएस अफसर डॉ आर राजेश कुमार के नेतृत्व में अब पहाड़ी इलाकों में कंधे और खाट पर मरीज़ों को लेकर अस्पताल जाने की मज़बूरियों को कम करने के लिए हेल्थ डिपॉर्टमेन्ट प्लान तैयार कर रहा है. स्वास्थ्य विभाग जल्द से जल्द पहाड़ के मरीजों को राहत देने की तैयारी में है. जिसमें फर्स्ट टाइम रिस्पॉन्डर यानी जो सूचना मिलते ही मौके पर इमरजेन्सी किट के साथ पहुंच सके, ऐसे लोगों की टीम बनाने की तैयारी की जा रही है.योजना के मुताबिक फर्स्ट टाइम रिस्पांडर को ट्रेनिंग दी जाएगी. यह गांव का ही कोई व्यक्ति हो सकता है. मेडिकल फील्ड से जुड़े व्यक्तियों को प्राथमिकता दिया जाएगा. प्लान के तहत गांव के ही किसी व्यक्ति को फर्स्ट टाइम रिस्पांडर बनाया जाएगा. जो सूचना पर तत्काल अपनी किट के साथ मरीज के घर पहुंचेगा. जहां मरीज को प्राथमिक उपचार दिया जाएगा.उम्मीद की जानी चाहिए कि धामी सरकार के विजन और स्वास्थ्य सचिव के मिशन से प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं में अभूतपूर्व बदलाव दिखाई देगा।

शुरू हो गया एलआईसी बिल्डिंग को खाली कराने का काम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

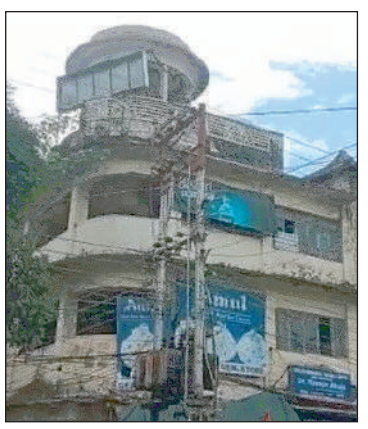

चकराता रोड पर कनॉट प्लेस स्थित एलआईसी बिल्डिंग में कोर्ट ने जितना हिस्सा खाली कराने का आदेश दिया था । आज उस एक हिस्से को खाली कराने का काम शुरू हो गया है। यहां सुबह से भारी पुलिस फोर्स के साथ प्रशासन के अधिकारी पहुंच गए थे। एलआईसी के अधिकारी भी मौके पर मौजूद हैं। इधर प्रभावित व्यापारी और व्यापारी संगठन इसका विरोध कर रहे हैं। मौके पर तनावपूर्ण स्थिति है। विरोध के बीच कुछ दुकान और गोदाम को सील किया गया है। करीब 18 संपत्तियां खाली कराई जानी हैं। इसमें दुकानें, आवास और गोदाम शामिल हैं।

पिछले दिनों से एलआईसी के अधिकारियों ने जिला प्रशासन और पुलिस के अफसरों से मुलाकात की। इसमें प्रक्रिया पूरी कराने की बात कही। इसके बाद जिला प्रशासन ने एक मजिस्ट्रेट नियुक्त किया। वहीं, पुलिस ने पर्याप्त पुलिस फोर्स उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। इधर, एलआईसी ने बिल्डिंग में नोटिस चस्पा कर दिए। इसका दुकानदार विरोध कर रहे हैं। एसपी सिटी सरिता डोबाल का कहना है कि एलआईसी के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट से एक आदेश आया है। इसको एलआईसी ने जिला प्रशासन को भी उपलब्ध कराया है। प्रशासन ने पुलिस फोर्स उपलब्ध कराने के लिए कहा है। फोर्स उपलब्ध कराई जाएगी। उधर, सीओ सिटी नरेंद्र पंत ने बताया कि प्रशासन की ओर से मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए हैं। प्रथम चरण में 14 प्रॉपर्टी खाली कराई जानी हैं। चकराता रोड पर कनॉट प्लेस स्थित एलआईसी बिल्डिंग में कोर्ट ने जितना हिस्सा खाली कराने का आदेश दिया है, उसमें बुधवार को कार्रवाई की जाएगी। तहसीलदार सोहन सिंह रांगड़ ने बताया कि एलआईसी की कार्रवाई के लिए फोर्स उपलब्ध है। बता दें कि देहरादून के चकराता रोड पर कनॉट प्लेस स्थित एलआईसी बिल्डिंग जर्जर भवन श्रेणी में है। लंबे समय से इसे खाली कराए जाने की कवायद एलआईसी कर रहा है। पहले चरण में 14 संपत्तियां (आवास और दुकानें) खाली कराई जानी हैं। इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट से आदेश हुआ है। इसे लेकर बीते दिनों 21 सितंबर की तिथि तय की गई थी। उधर, कार्रवाई की तिथि नजदीक आते ही बल्डिंग में जिन लोगों हटाया जाना हैं वह परेशान हैं।

मंत्री जोशी ने झाड़ू लगाकर दिया स्वच्छता का संदेश

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

काशीपुर, 22 , सितम्बर , प्रदेश के कृषि, कृषक कल्याण, सैनिक कल्याण एवं ग्रामीण विकास एवं जनपद ऊधमसिंह नगर के प्रभारी मंत्री गणेश जोशी बुधवार को काशीपुर पहुंचे। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने भारतीय जनता पार्टी यू०एस०नगर द्वारा आयोजित स्वच्छता अभियान कार्यक्रम प्रतिभाग किया। जहां जनपद प्रभारी मंत्री गणेश जोशी ने काशीपुर के महाराणा प्रताप चौक व पंत पार्क, काशीपुर में पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस को सेवा सप्ताह के रूप में मनाते हुए सड़क पर झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया। इस अवसर पर मंत्री जोशी ने काशीपुर में महाराणा प्रताप और गोविंद वल्लभ पंत की मूर्ति पर माल्यार्पण भी किया। साथ ही मंत्री जोशी ने पर्यावरण मित्रो से भी मिले और उनका हालचाल भी जाना मंत्री जोशी ने स्वच्छता अभियान के तहत पंत पार्क काशीपुर में वृक्षारोपण भी किया।

इस अवसर पर ने मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर मनाए जा रहे सेवा पखवाड़ा के तहत पूरे राज्य के अंतर्गत रक्तदान, स्वच्छता, संगोष्ठियां, वृक्षारोपण सहित विभिन्न प्रकार के सेवा के अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही मंत्री जोशी ने कहा कि स्वच्छता जीवन के लिए संजीवनी के समान है। इसके माध्यम से लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना और उन्हें जिम्मेदारी का एहसास कराना है। उन्होंने लोगों को अपने घरों के आसपास साफ सफाई रखने की शपथ भी दिलाई।

मंत्री जोशी ने कहा कि भारत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में विश्व में एक अलग पहचान दिलाई है हर क्षेत्र में भारत आज तेजी से आगे बढ़ रहा है,प्रदेश में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने राज्य के 25 वर्ष पूरे होने पर प्रदेश को प्रत्येक क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्य बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रहे है।

इस महीने में तुलसी की पूजा बेहद फलदायी, सुबह-शाम करें ये काम, मां लक्ष्मी की कृपा...

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हिंदू धर्म तुलसी को पूजनीय मानकर इसकी रोजाना पूजा की जाती है. मान्यता है कि तुलसी के पौधे में मां लक्ष्मी का वास होता है. यही वजह है कि लोग मां लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए इसकी पूजा करते हैं. कार्तिक मास में तुलसी की पूजा का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है.

दरअसल इस महीने में भगवान विष्णु योगनिद्रा से जागते हैं. इसके अलावा इस महीने में तुलसी विवाह भी किया जाता है. आइए जानते हैं कार्तिक मास में तुलसी की पूजा का महत्व और इसके फायदे. हिंदू धर्म में कार्तिक मास मां तुलसी की पूजा के लिए समर्पित है. मान्यता है कि इस महीने में तुलसी की पूजा करने से विशेष फल की प्राप्ति होती है. कहा जाता है कि कार्तिक मास में तुलसी की पूजा करने से घर-परिवार में मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है. साथ ही सभी प्रकार के दुख और कष्ट दूर हो जाते हैं. इस साल 10 अक्टूबर से कार्तिक मास शुरू हो रहा है. कार्तिक मास में तुलसी की पूजा के फायदेहिंदू धर्म की मान्यता के अनुसार, अगर मृत्यु के उपरांत मृतक के मुंह में एक तुलसी का पत्ता रख दिया जाए तो मोक्ष की प्राप्त होता है. दरअसल इसके पीछे वजह ये है कि तुलसी भगवान विष्णु के सिर को सुशोभित होती है. कहा जाता है कि तुलसी का पत्ता मुंह में डालने से व्यक्ति को यमदंड का सामना नहीं करना पड़ता है. मृतक को सीधे स्वर्ग की प्राप्ति होती है.कार्तिक मास में तुलसी लगाने का महत्वकार्तिक मास में तुलसी पूजन के साथ-साथ तुलसी का पौधा लगाना भी शुभ होता है. कार्तिक मास में इसे लगाने के खास नियम बताए गए हैं. ज्योतिष शास्त्र के जानकारों के मुताबिक कार्तिक मास में तुलसी का पौधा लगाना सर्वोत्तम होता है. मान्यता है कि इस महीने में तुलसी का पौधा लगाने और नियमित उसकी पूजा करने से इंसान की हर इच्छा पूरी हो जाती है. मान्यतानुसार, इस पवित्र महीने में रोजाना स्नान के बाद तुलसी में जल देकर उसकी परिक्रमा जरूर करनी चाहिए. ऐसा करने से मां लक्ष्मी का विशेष आशीर्वाद प्राप्त होता है. इसके अलावा कार्तिक मास में रोजाना तुलसी की नीचे दीया जलाना शुभ और मंगलकारी होता है.

ग्राम गौरव सम्मान में शामिल हुए मंत्री गणेश जोशी , महिलाओं को किया सम्मानित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

काशीपुर 22 सितम्बर प्रदेश के कृषि एवं कृषक कल्याण, उद्यान, ग्राम्य विकास विभाग एवं जनपद प्रभारी मंत्री गणेश जोशी ने उदयराज हिन्दू इण्टर कालेज में आयोजित सेवा पखवाड़ा के अन्तर्गत ग्राम गौरव सम्मान समारोह का दीप प्रज्जवलित कर शुभारम्भ किया। गौरव सेवा सम्मान समारोह में मंत्री ने समूह में जोड़कर महिलाओं को स्वावलम्बन बनाने का कार्य करने वाली जनपद की सक्रिय 220 महिला सी0आर0पी0 एवं सीनियर सीआरपीएफ को उत्कृष्ट कार्य करने पर ''ग्राम गौरव सम्मान'' से सम्मानित किया। इस दौरान उन्होने उत्कृष्ठ कार्य करने वाली महिलाओं को बधाई व शुभकामनायें दी। उन्होने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिन 17 सितम्बर 2022 से 02 अक्टूबर 2022 तक सेवा पखवाड़ा के रूप में राज्य के सभी जनपदों में मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 05 साल के भीतर समूहों की महिलाओं की आय दोगुनी करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है और निश्चित ही आने वाले 05 सालो में महिलाओं की आर्थिक क्षेत्र में स्थिति अलग होगी। उन्होंने कहा कि 05 साल के अन्दर महिलाओं को स्वरोजगार के क्षेत्र में अग्रणीय बनाया जायेगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं की आर्थिक स्थिति सुधारने की दिशा में हर संभव कार्य किया जायेगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं द्वारा उत्पादित सामान को बाजार उपलब्ध कराने एवं उचित मूल्य दिलाने के लिए प्रत्येक ब्लॉक स्तर पर दुकाने खोली जायेगी। उन्होंने कहा कि सरकार हर गरीब परिवार को मजबूद बनाने एवं विकास की मुख्य धारा से पिछड़े व्यक्तियों को मुख्य धारा से जोड़ने की दिशा में कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य का चहुँमुखी विकास सरकार की प्राथमिकता है। उन्होने कहा कि किसी भी क्षेत्र में भ्रष्टाचार करने वालों को बख्सा नही जायेगा। मंत्री ने कहा कि राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत राज्य के 95 विकासखण्डों में योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। महिला सशक्तिकरण एवं आजीविका सम्वर्धन हेतु 3.50 लाख परिवारों को संगठित करते हुये 46164 समूह, 4711 ग्राम संगठन एवं 276 कलस्टर स्तरीय संगठनों का गठन किया गया है। उन्होने कहा कि उधमसिंह नगर में वर्तमान समय तक 60000 परिवारों को 5874 समूहों में संगठित कर 532 ग्राम संगठन एवं 25 कलस्टर स्तरीय संगठनों का गठन किया गया है। उन्होने कहा कि राज्य में वर्तमान समय तक 2030 सी0आर0पी0 तैयार किये गये है जो कि विभिन्न घटकों में समूहों एवं संगठनों का क्षमता विकास करते है। उद्यमसिंह नगर में वर्तमान समय तक 247 काडर तैयार किया गया है। उन्होने कहा कि वर्तमान समय तक 35695 समूहों को रिवाल्विंग फण्ड, 20096 समूहों को सामुदायिक निवेश निधि, 34477 समूहों को सी0सी0एल0 तैयार कर बैंक लिंकेज किया गया है। उद्यमसिंह नगर में वर्तमान समय तक 4885 समूहों को रिवार्लविग फण्ड, 2918 समूहों को सामुदायिक निवेश निधि, 4396 समूहों को सी0सी0एल0 तैयार कर बैंक लिंकेज किया गया है। उन्होने कहा कि स्वयं सहायता समूहों द्वारा उत्पादित सामग्री के विपणन हेतु राज्य के सभी जनपदों में 33 नैनों पैकेजिंग यूनिट, 13 सरस सेन्टर, 252 उद्यम एवं 18 ग्रोथ सेन्टर संचालित किये जा रहे है। उन्होने कहा कि स्वयं सहायता समूहों द्वारा उत्पादित सामग्री के विपणन हेतु जनपद में 03 नैनों पैकेजिंग यूनिट, 01 सरस सेन्टर, 25 उद्यम एवं 07 ग्रोथ सेन्टर संचालित किये जा रहे है। महिलाओं के उत्पादों को विपणन करने हेतु हिंलास ब्राण्ड तैयार किया गया है। इस दौरान महिला समूहों द्वारा उत्पादित उत्पादों का निरीक्षण भी किया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी युगल किशोर पन्त ने उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को बधाई व शुभकामना दी।

विधानसभा अध्यक्ष ने 205 लाभार्थियों को 10.70 करोड़ के ऋण स्वीकृति पत्र वितरित किए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कोटद्वार 22 सितंबर , कोटद्वार में पंजाब नेशनल बैंक द्वारा विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत लाभार्थियों को ऋण स्वीकृत पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने 205 ऋण पात्रों को 10 करोड़ 70 लाख रुपए के ऋण स्वीकृति पत्र वितरित किए। विधानसभा अध्यक्ष ने लाभार्थियों से सरकार की योजनाओं का लाभ उठाकर रोजगार शुरू करने की अपील की।

केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा संचालित बैंकों से संबंधित योजनाओं की जानकारी आम नागरिकों तक पहुंचाने के उद्देश्य से पंजाब नेशनल बैंक द्वारा सीताबपुर, देवी रोड स्थित एक होटल में ऋण स्वीकृति पत्र वितरण एवं ग्राहक संपर्क समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान स्कूल के छात्र छात्राओं को पंजाब नेशनल बैंक के माध्यम से स्कूल बैग भी वितरित किए गए।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने देश के अग्रणी बैंक पंजाब नैशनल बैंक द्वारा निभाए जा रहे सामाजिक दायित्व के लिए बैंक की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से विभिन्न सरकारी जानकारियां मिलती है और लाभार्थी लाभान्वित भी होते है। पंजाब नेशनल बैंक सीमांत क्षेत्रों में भी अपनी सेवाए दे रहे है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार समाज के अंतिम पायदान के व्यक्ति तक मिशन अंत्योदय के तहत संचालित योजना का लाभ पहुंचा रही है। सबको विकास की मुख्यधारा से जोड़कर सम्मान से जीवन यापन करने का हक प्रदान कराने के लिए तेजी से कार्य कर रही है। बैंकों के माध्यम से बड़ी संख्या में जन कल्याणकारी, लाभार्थीपरक योजनाओं में शिक्षित बेरोजगार युवाओं को सस्ती ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराकर उन्हें स्वावलंबी बनाने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है।

विधानसभा अध्यक्ष ने लाभार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बैंकिंग सेवाओं में बहुत बदलाव हुआ है, जिस कारण अब सरकार की हर योजना को बैंक से जोड़ दिया गया है,जिसका सीधा लाभ लाभार्थियों को मिलने की सुविधाओं हुई है।उन्होंने कहा कि पहले बड़े लोगों को ही आसानी से बैंकों के तरफ से लोन मिला करता था, लेकिन अब वंचित लोगों को भी बैंक से लोन आसानी से मिल रहा है. प्रदेश में इसके लिए बेहतर माहौल तैयार किया गया है। अपने संबोधन में लाभार्थियों से ऋण प्राप्त कर आत्मनिर्भर बनने की बात कही।

प्रशासन की सख्ती का असर तेज़ हुआ पलटन बाजार सौंदरीकरण का कार्य

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 22 सितंबर , पलटन बाजार पैदलीकरण प्रोजेक्ट के अंतर्गत मार्ग के दोनों ओर फुटपाथ हेतु कर्ब स्टोन इंस्टॉलेशन, केसी ड्रेन निर्माण, फुटपाथ में टाइलों हेतू पीसीसी, भविष्य में संचार सुविधाओं हेतु कम्युनिकेशन डक्ट, मार्ग में प्रकाशिक सुविधाओं हेतु भूमिगत विद्युतीकरण की डक्ट का कार्य के सहित भूमिगत विद्युतीकरण का कार्य इन दिनों ज़ोरो पर आगे बढ़ता दिख रहा है।

प्रशासन और सरकार के निर्देशों के बाद रात्रि में कार्यों के उपरांत मार्ग को समतलीकरण कर दिन के समय के लिए समस्त मलवा एवं अन्य निर्माण सामग्री को समुचित रूप से व्यवस्थित करके रखा जाता है। मकसद है कि दिन में व्यस्त पलटन बाजार के दुकानदारों एव आम जनमानस को कोई परेशानी ना हो।

उत्तराखंड में त्वचा के रंग, कपड़े' पर टिप्पणी करने वाले व्यक्ति पर मामला दर्ज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मामला इस प्रकार है एक 39 वर्षीय महिला जो देहरादून-अमृतसर एक्सप्रेस में यात्रा कर रही थी उसका हरिद्वार रेलवे स्टेशन पर एक पुरुष यात्री द्वारा कथित तौर पर उसकी ₹त्वचा के रंग और कपड़े₹ के लिए उसका मजाक उड़ाया गया था। रमेश खेमानी अपने गंतव्य पर उतरे, सीधे अमृतसर के निकटतम पुलिस स्टेशन गए और ₹पीड़ित₹ के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की।

हालांकि यह घटना 24 जुलाई की है, लेकिन हरिद्वार पुलिस को सोमवार को आगे की जांच के लिए पंजाब पुलिस से प्राथमिकी की एक प्रति मिली। अमृतसर में सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने तब 'जीरो एफआईआर' दर्ज की थी और बाद में इसे हरिद्वार जीआरपी को भेज दिया था। अपनी पुलिस शिकायत में, महिला ने कहा कि उसकी त्वचा के रंग और कपड़ों पर टिप्पणी के अलावा, उसे ₹अपमानित₹ और ₹अपमानित₹ किया गया।जीआरपी एसएचओ, इंस्पेक्टर अनुज सिंह ने कहा कि आईपीसी की धारा 354 (महिला का शील भंग करने का इरादा) और 511 (अपराध करने का प्रयास) के तहत मामला दर्ज किया गया है।मामले का विवरण देते हुए, इंस्पेक्टर सिंह ने बताया कि खेमानी अपने परिवार के 10 सदस्यों के साथ बी 2 कोच में यात्रा कर रहे थे। एसएचओ ने कहा, ₹वह दरवाजे के पास खड़ा था और जब उसने कोच में चढ़ने की कोशिश की तो सबसे पहले महिला को रोका। उस व्यक्ति ने भी आपत्तिजनक टिप्पणी की।₹ बाद में महिला को ट्रेन में चढ़ने के लिए अगले कोच में जाना पड़ा। .एसएचओ ने कहा, ₹अमृतसर में हमारे समकक्ष ने हमें सूचित किया कि खेमानी और उनके परिवार ने बाद में माफी मांगी। फिर भी, एक प्राथमिकी दर्ज की गई और उस व्यक्ति पर मामला दर्ज किया गया। अब हम अगले कार्रवाई के लिए मामले की जांच कर रहे हैं।₹जीआरपी अमृतसर एसएचओ धर्मिंदर कल्याण ने कहा, ₹अपनी शिकायत दर्ज कराने के बाद उसने इंतजार नहीं किया और सीधे हर मंदिर साहिब में प्रार्थना के लिए गई। हम मामले के लिए उसके बारे में अधिक जानकारी एकत्र करने की कोशिश कर रहे हैं।

उत्तराखंड के व्यक्ति को महंगा पड़ा सोशल मीडिया पर 'पाकिस्तान जिंदाबाद' पोस्ट

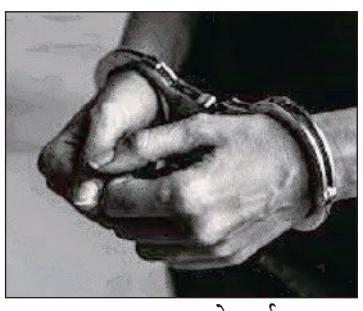

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पुलिस ने 25 वर्षीय एक व्यक्ति को हरिद्वार के लक्सर इलाके में सोशल मीडिया पर 'पाकिस्तान जिंदाबाद' का पोस्टर अपलोड करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। उस पर भारतीय दंड संहिता की धारा 153 (दंगा भड़काने के इरादे से उकसाना) और धारा 505 (सार्वजनिक शरारत करने वाले बयान) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को कहा कि 25 वर्षीय एक व्यक्ति को सोमवार को हरिद्वार के लक्सर इलाके में सोशल मीडिया पर 'पाकिस्तान जिंदाबाद' का पोस्टर अपलोड करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। आरोपी की पहचान शहजाद के रूप में हुई है जो लक्सर के महाराजपुर खुर्द का

निवासी है।

उस पर हिंदू जागरण मंच के एक कार्यकर्ता की शिकायत के आधार पर भारतीय दंड संहिता की धारा 153 (दंगा भड़काने के इरादे से उकसाना) और धारा 505 (सार्वजनिक शरारत करने वाले बयान) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

लक्सर थाना प्रभारी यशपाल सिंह बिष्ट ने कहा कि पूछताछ के दौरान शहजाद ने खुलासा किया कि उसने एक राजनीतिक पोस्टर अपलोड किया था और गलती से 'पाकिस्तान जिंदाबाद' जोड़ दिया था। सोशल मीडिया पर चक्कर काटने के बाद रायसी चौकी पर उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई थी। बिष्ट ने कहा कि शिकायतकर्ता सुभाष चंद्र सैनी ने पुलिस को बताया कि पोस्ट से जनता में तनाव पैदा हो सकता है।शिकायतकर्ता ने एचटी को बताया कि आरोपी एक कांग्रेस कार्यकर्ता है जिसने पंचायत चुनाव के प्रचार के दौरान एक गांव की सभा के दौरान इसी तरह के नारे लगाए थे। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया है।

जानिए यूपी में फूल बेचने वाले के आविष्कार 'पंखे वाले हेलमेट' के बारे में

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

लखीमपुर खीरी जिले में एक फूल विक्रेता ने एक नया आविष्कार किया है जो उसे गर्मी को मात देने में मदद करता है।

सत्तर वर्षीय लल्लूराम ने अपने हेलमेट पर एक छोटा सौर पैनल और एक छोटा पंखा लगाया है जिसे वह फूल बेचने के लिए बाहर जाने पर पहनता है।लल्लूराम ने कहा कि उन्होंने कई लोगों से सामान उधार लेकर यह अनोखा हेलमेट बनाया है।उन्होंने कहा, ₹मैं बीमार पड़ गया था और सामान नहीं खरीद सकता था। मुझे किसी से सोलर पैनल मिला, फिर दूसरे से पोर्टेबल पंखा और दूसरे दोस्त से हेलमेट।₹उन्होंने कहा कि पोर्टेबल पंखा उन्हें गर्मी से काफी राहत देता है।लल्लूराम ग्राहकों को घर-घर जाकर फूलों की माला बेचते हैं और उन्हें बेचकर जो पैसा कमाते हैं उसका इस्तेमाल अपने बच्चों को खिलाने के लिए किया जाता है।लल्लूराम और उनके आविष्कार का एक वीडियो ट्विटर पर वायरल होता दिख रहा है।

24 सितंबर तक उत्तराखंड में रहेंगे काले मेघ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून में आज सुबह से मौसम साफ रहा, लेकिन दोपहर में बारिश हुई। वहीं, अगले चार दिनों तक पूरे राज्य में बादल छाए रहने की संभावना है।

मौसम विभाग ने राज्य भर में 24 सितंबर तक भारी बारिश के लिए येलो अलर्ट जारी किया है।मौसम विज्ञानियों के मुताबिक पहाड़ी इलाकों में छिटपुट जगहों पर भारी बारिश की संभावना है. कुछ इलाकों में तेज गरज के साथ बारिश और बिजली गिरने की भी संभावना है। ऐसे

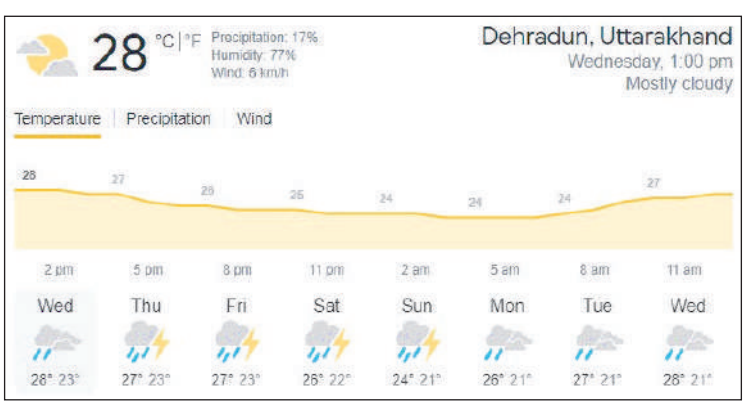

में मौसम विभाग ने जिला प्रशासन और आपदा प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए हैं.

पीएम केयर फॉर चिल्ड्रन योजना के अन्तर्गत चयनित बच्चों से मिली डीएम सोनिका

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 25 सिंतबर , जिलाधिकारी सोनिका ने पीएम केयर फॉर चिल्ड्रन योजना के अन्तर्गत चयनित बच्चों के साथ बातचीत करते हुए उनके दर्द को साझा किया। बच्चों से बातचीत करते हुए जिलाधिकारी भावुक हो गई, उनकी आंखे छलक आई। इस दौरान जिलाधिकारी ने बच्चों एवं उनके अभिभावकों से भी वार्ता की, तथा बच्चों की शिक्षा-दीक्षा हेतु हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया। उन्होंने बच्चों से वार्ता करते हुए कहा कि वह खुद को अकेला न समझे उनके साथ राज्य सरकार, केन्द्र सरकार एवं जिला प्रशासन है उन्होंने बच्चों से अपना मोबाईल नंबर साझा करते हुए कहा कि यदि उन्हें कहीं पर भी किसी प्रकार की कोई समस्या है तो वह सीधे कॉल कर अपनी समस्या से अवगत करा सकते हैं। उन्होंने बच्चों को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। जिलाधिकारी ने जिला प्रोबेशन अधिकारी को बच्चों को जोड़कर एक वाट्सएप्प ग्रुरप बनाने तथा उनको भी ग्रुप में जोड़ने को कहा। ताकि बच्चे वाट्सएप्प के माध्यम से भी अपनी समस्याओं/परेशानियों को गुरप के माध्यम से जिलाधिकारी से सीधा संवाद कर सके। उन्होंने बच्चों के स्कूलों में प्रवेश के लिए हर संभव मदद करने तथा

शिक्षकों से बच्चों के पठन-पाठन के संबंध में सम्पर्क बनाए रखने के निर्देश भी दिए।

आपको बता दें कि कोविड-19 महामारी के कारण जिन बच्चों माता-पिता अथवा दोनों में से किसी एक की पूर्व में एवं दूसरे की मृत्यु 11 मार्च 2020 के बाद तथा 31 मार्च 2022 के अन्तराल में हुई है या कानूनी अभिभावक या दत्तक माता-पिता दोनों को खो चुके बच्चों की व्यापक देख-भाल एवं सुरक्षा को सुनिश्चित किए जाने हेतु मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के तहत ऐसे बच्चों के स्वास्थ्य बीमा के माध्यम से सुरक्षित रखना, शिक्षा के माध्यम से सशक्त करना व उन्हें आत्मनिर्भर बनाये जाने हेतु 23 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर 10 लाख की धनराशि प्रदान किए जाने का प्राविधान किया गया है। बैठक में जिला प्रोबेशन अधिकारी मीना बिष्ट एवं बच्चों के अभिभावक व बच्चे उपस्थित रहे।

पुलिस आधुनिकीकरण पर गृहमंत्री अमित शाह और सीएम धामी में हुई चर्चा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

दिल्ली / देहरादून 22 सितम्बर ,दिल्ली प्रवास पर मौजूद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को गृह मंत्री अमित शाह से शिष्टाचार भेंट की। लगभग एक घण्टे तक चली इस मुलाकात में मुख्यमंत्री ने श्री शाह को पिछले दिनों राज्य में विभिन्न जगह आई दैवीय आपदा और उन क्षेत्रों में किए गए आपदा प्रबन्धन, राहत व बचाव कार्यों की विस्तार से जानकारी दी। दोनों नेताओं के बीच पुलिस आधुनिकीकरण के मुद्दे पर भी विचार विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और गृह मंत्री श्री अमित शाह के बीच बुधवार को अपराह्न लगभग 3 बजे मुलाकात हुई।

यह मुलाकात लगभग एक घण्टे तक चली। मुलाकात का ब्यौरा देते हुए मुख्यमंत्री धामी ने बताया कि इस दौरान राज्य के विकास को लेकर बृहद चर्चा हुई। खासतौर पर उन्होंने श्री शाह को दैवीय आपदा से राज्य में हुई क्षति के बारे में जानकारी दी। श्री शाह ने आश्वासन दिया है कि सुख दुख में केन्द्र सरकार मजबूती से उत्तराखण्ड की जनता के साथ खड़ी है और आगे भी रहेगी।

काम की बात : बाथरूम होटल और चेंजिंग रूम में छिपे कैमरे कैसे पकड़ें

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 22 सितंबर , छिपे हुए कैमरे यानी हिडन कैमरा...यह टेक्नोलॉजी आई तो हमारी मदद के लिए थी लेकिन धीरे-धीरे इसका गलत इस्तेमाल बढ़ता जा रहा है. अब चंडीगढ़ यूनीवर्सिटी का मामला देख लीजिए एक छात्रा ने 60 लड़कियों का नहाते हुए वीडियो बनाया और वायरल कर दिया. इस तरह की घटना पहली बार नहीं हुई है. इससे पहले भी कई बार ऐसी खबरें आती हैं जहां होटल, चेंजिंग रूम या बाथरूम में हिडन कैमरा छिपाकर लोगों के वीडियो बना लिए जाते हैं और फिर इनका गलत इस्तेमाल किया जाता है. इस तरह की घटनाओं पर लगाम लगाने और आपको छिपे हुए खुफिया कैमरे को लेकर सतर्क करने के लिए हम एक आसान तरीका बताने वाले हैं.

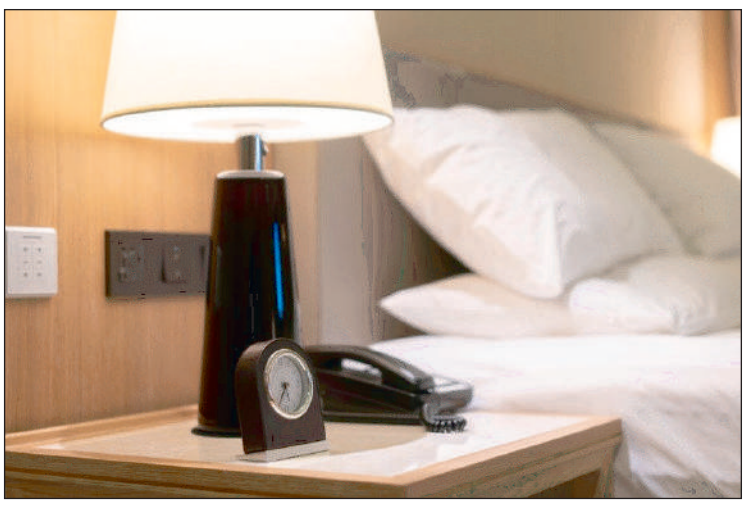

कैसे पहचानें कहां छिपा है Hidden Camera ?

1- इसके लिए आपके पास एक स्मार्टफोन होना जरूरी है. छिपे हुए कैमरे का पता लगाने के लिए पहले तो उस जगह पर घुप अंधेरा कर लें. मुमकिन हो तो लाइट के सभी सोर्स बंद कर दें. कोशिश करें कि थोड़ी देर के लिए उस जगह पर अंधेरा हो जाए.

2- अपने फोन के कैमरा को हर उस जगह पर ले जाएं जहां आपको लगता है कि कैमरा छिपाया जा सकता है. जैसे कि घड़ी, सामान रखने के लिए बने शेल्व, सजावट के सामान, लैंप या जहां कहीं भी आपको कैमरा छिपा होने का शक हो.

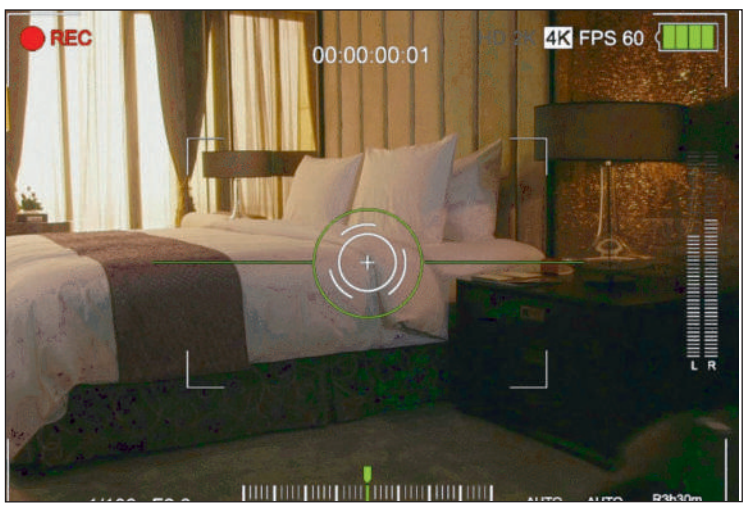

3- अब ध्यान से देखें कि कहीं आपको छोटे सफेद डॉट्स दिख रहे हैं या नहीं. ये आपको आंखों से नहीं दिखेंगे लेकिन स्मार्टफोन के कैमरा की मदद से आप इन्हें आसानी से देख पाएंगे. ऐसी जगह को जरूर चेक करें क्योंकि वहां कैमरा छिपा हो सकता है.

इन्फ्रारेड ब्लास्टर्स की मदद से हिडन कैमरा अंधेरे में भी देख पाते हैं. अब इन्फ्रारेड हम अपनी आंखों से नहीं देख पाते लेकिन कैमरा की मदद से इसका पता लगा सकते हैं.

फ्लैश लाइट का सहारा लें

लाइटें बंद करने के बाद फ्लैश लाइट चमकाएं. अगर कहीं भी कैमरा होगा तो उसके लेंस पर जब लाइट पड़ेगी तो वह तुरंत रिफ्लेक्ट करेगी.

ब्लूटूथ का इस्तेमाल करें

हिडन कैमरा कई दफा ब्लूटूथ की मदद से ऑपरेट किए जाते हैं तो अगर कहीं भी आपको शक हो तो आप ब्लूटूथ ऑन करके देख सकते हैं कि आपके आस-पास किस तरह के डिवाइस हैं.

उत्तराखंड में बढ़ रही है यह बीमारी, जानिए डॉक्टरों की राय

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड में जैसे-जैसे कोरोना के मामले कम हुए हैं, लेकिन अब उत्तराखंड के अस्पताल में इस बीमारी की संख्या बढ़ती जा रही है। राजधानी में इन दिनों मौसम में आए दिन उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। इससे अस्पतालों में वायरल आदि से पीड़ित मरीजों की संख्या काफी बढ़ गई है। दून मेडिकल कॉलेज अस्पताल, कोरोनेशन और गांधी शताब्दी सहित अन्य सरकारी अस्पतालों और सभी निजी अस्पतालों में मरीजों की भारी भीड़ देखी जा रही है. डॉक्टरों का कहना है कि इस समय करीब 50 फीसदी ऐसे मरीज हैं, जो मौसम के बदलते व्यवहार से बीमार पड़ रहे हैं। गांधी शताब्दी अस्पताल के वरिष्ठ फिजीशियन डा. प्रवीण पंवार का कहना है कि मौसम के उतार-चढ़ाव के कारण बुखार, खांसी-जुकाम, सिर दर्द, बदन दर्द आदि समस्याओं से पीड़ित मरीजों की संख्या बढ़ गई है।

अस्पताल में आने वाला हर दूसरा मरीज वायरल इंफेक्शन और कामन कोल्ड से पीड़ित है। जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होती है, वो बेमौसमी बीमारी के शिकार जल्द हो रहे हैं।खासकर बच्चों और बुजुर्गों को ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। चारधाम अस्पताल के एमडी एवं वरिष्ठ फिजीशियन डा. केपी जोशी का कहना है कि अभी ओपीडी में आने वाले ज्यादातर मरीज बुखार के देखे जा रहे हैं। तापमान के इस उतार-चढ़ाव में अपनी सेहत का विशेष ख्याल रखना चाहिए। आमतौर पर बुखार से पीड़ित 70 प्रतिशत लोग चार से पांच दिन के अंदर ठीक हो जाते हैं, लेकिन अगर इन दिनों के अंदर बुखार कम न हो तो मरीज को जरूरी जांच व विशेषज्ञ चिकित्सक की सलाह लेनी चाहिए। मरीजों को बिना चिकित्सक की सलाह कोई दवा नहीं खानी चाहिए, क्योंकि इससे खतरा बढ़ जाता है।

बीमारियों से ऐसे बचें

दून मेडिकल कालेज अस्पताल के मेडिसिन के विभागाध्यक्ष डा. नारायणजीत सिंह कहते हैं कि घर के आसपास साफ-सफाई रखें।बासी भोजन और बाजार से खुली चीजें खरीदकर खाने से परहेज करें।गुनगुने पानी का सेवन करें।मच्छरों से बचने का उपाय करें।यदि बारिश में भीग गए हैं तो तुरंत पंखे व एसी में न बैठें।कपड़े भी तापमान के अनुरूप पहनें।

संपादकीय

मॉनसून की वापसी

देश के उत्तर-पश्चिम से मॉनसून की वापसी की स्थितियां बन रही हैं और इसी के साथ चार माह के बरसात का मौसम अपने अंत की ओर अग्रसर है. देश की आधी से अधिक खेती सिंचाई के लिए मॉनसून पर निर्भर करती है, जो अमूमन जून में केरल से शुरू होता है तथा इसका अंतिम चरण सितंबर के मध्य में राजस्थान से प्रारंभ होता है. पूर्वानुमानों में बताया गया था कि इस वर्ष मॉनसून सामान्य रहेगा, लेकिन जून से सितंबर के बीच देश के अनेक हिस्सों में कम बारिश हुई, जबकि दक्षिणी-पश्चिमी मॉनसून के समाप्त होने में देरी से कई जगहों पर अधिक बरसात हुई. रिपोर्टों की मानें, तो आठ राज्यों में पानी कम बरसा है. इस कारण धान की उपज को लेकर चिंताएं पैदा हो गयी हैं. उल्लेखनीय है कि इस वर्ष के पहले तीन महीनों में तापमान अधिक होने से गेहूं की फसल पर असर पड़ा था. खाद्यान्न उत्पादन में इस कमी से एक ओर किसानों की आमदनी पर ग्रहण लगा है, तो दूसरी तरफ बाजार में अनाज महंगा बिक रहा है. भारतीय रिजर्व बैंक के ताजा बुलेटिन में छपे एक लेख में भी रेखांकित किया गया है कि मॉनसून की वापसी में देरी से खाद्यान्न कीमतों पर फिर से दबाव बढ़ने के आसार दिख रहे हैं. सितंबर की अनियमित बरसात ने गर्मी से कुछ राहत तो दी है, परंतु इस वजह से कुछ मुख्य सब्जियों के भाव बढ़ गये हैं. मॉनसून की अनियमितता के दो मुख्य हिस्से हैं- एक, लंबे समय तक बारिश का नहीं होना तथा दूसरा, थोड़े ही अंतराल में बहुत अधिक बरसात होना. बादल फटने की घटनाएं, सूखे जैसी स्थितियां, औचक बाढ़ आदि आम होते जा रहे हैं. प्राकृतिक आपदाओं की बारंबारता बढ़ने तथा लगातार कमजोर व अनियमित मॉनसून के पीछे प्रधान कारक जलवायु परिवर्तन है. इसी के कारण तापमान भी बढ़ता जा रहा है तथा जाड़े का मौसम छोटा होने लगा है. हालांकि यह वैश्विक समस्या है तथा यूरोप व अमेरिका जैसे समृद्ध क्षेत्र भी इससे प्रभावित हैं, लेकिन भारत जैसे विकासशील देश के लिए यह स्थिति कहीं अधिक चिंताजनक है. बहुत बड़ी आबादी के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना, पर्यावरण को बेहतर बनाना तथा प्राकृतिक संसाधनों को संरक्षित करना जैसे कार्य दिन-ब-दिन चुनौतीपूर्ण होते जायेंगे. पानी का संकट, मिट्टी का क्षरण, वनों का लोप, नदियों में गाद भरना, पारिस्थितिक असंतुलन, जल, वायु व मिट्टी का प्रदूषण समुद्री जल स्तर बढ़ने से तटीय इलाकों से पलायन जैसी समस्याएं मुंह बाये खड़ी हैं. जलवायु संकट से निपटने के उपायों को गंभीरता से अपनाने की आवश्यकता है.

उत्तराखंड में अब सरोगेसी आसान नहीं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

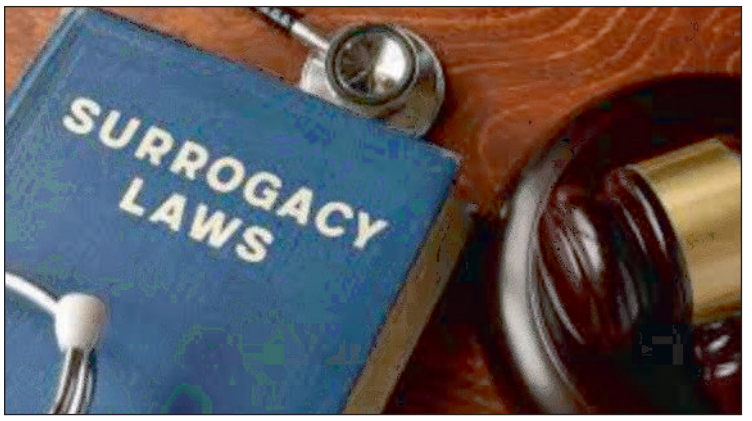

अब राज्य में सरोगेसी के मामलों की निगरानी के लिए एक बोर्ड बनाया जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री की अध्यक्षता वाले इस बोर्ड में तीन महिला विधायकों समेत 18 सदस्य होंगे। यह बोर्ड राज्य में सरोगेसी के लिए केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए कानून का अनुपालन सुनिश्चित करेगा।देश में इस समय सरोगेसी के मामले बढ़ते जा रहे हैं। विदेशों से भी दम्पति बच्चों के लिए मां का गर्भ तलाशने यहां आते रहे हैं। कई बार देखा गया है कि महिला के गर्भवती होने के बाद विदेशी जोड़े बीच में ही अपना मन बदल लेते हैं। इससे कई महिलाएं परेशान हैं।वहीं कई बार गर्भवती होने के बाद महिलाओं ने बच्चा पैदा करने के एवज में और पैसे की भी मांग की है. इसे देखते हुए केंद्र सरकार ने साल 2021 में सरोगेसी रेगुलेशन एक्ट लागू किया था। इसका गजट नोटिफिकेशन इसी साल जनवरी में किया गया था। इसमें सभी राज्यों को सरोगेसी कंट्रोल बोर्ड बनाने को कहा गया था। इसी कड़ी में उत्तराखंड में असिस्टेड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी एंड सरोगेसी बोर्ड और उपयुक्त अथॉरिटी के गठन की प्रक्रिया जारी है।

प्रमुख सचिव अथवा सचिव स्वास्थ्य इसके पदेन उपाध्यक्ष होंगे। प्रमुख सचिव महिला एवं बाल विकास व महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य इसके पदेन सदस्य होंगे। इनके अलावा इसमें चिकित्सक, समाज विज्ञानी, महिला कल्याण संगठन से नामित प्रतिनिधि, महिला एवं बाल स्वास्थ्य से संबंधित क्षेत्र से कार्य करने वाले सामाजिक संस्था के प्रतिनिधि को सदस्य बनाया जाएगा। संयुक्त सचिव स्वास्थ्य इसके पदेन सचिव होंगे। सचिव स्वास्थ्य डॉ आर राजेश कुमार ने बताया कि केंद्र सरकार के निर्देशों के क्रम में बोर्ड का गठन किया जा रहा है। जल्द ही इसकी अधिसूचना जारी कर दी जाएगी। क्या रहेगा इस बोर्ड का कार्य इस बोर्ड का कार्य सरोगेसी के लिए जारी मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करना होगा। बोर्ड यह देखेगा कि सरोगेसी के जिन मामलों में कार्रवाई की गई है, वह नियमानुसार की गई है। सरोगेसी के लिए गोद लेने वाले दंपत्ति और अपनी गोद देने वाली मां, दोनों के अधिकारों को संरक्षण देने का कार्य भी बोर्ड करेगा।एक्ट में यह व्यवस्था की गई है कि गोद देने के लिए तैयार होने वाली महिला की 35 से 40 साल की उम्र की हो। वह विधवा हो सकती है अथवा उसके पहले ही बच्चे होने चाहिए। बोर्ड के गठन के साथ ही प्रदेश में सरोगेसी के लिए नियमावली बनेगी। जिसमें फर्टिलिटी सेंटर का पंजीकृत होना अनिवार्य होगा। बिना पंजीकरण के सरोगेसी का कार्य कराने वालों पर कार्रवाई भी होगी।

ऑटिज्म ग्रसित बच्चों को सपोर्ट के लिए एडवेंथ्रिल एडवेंचर मिशन एवेरेस्ट 2024 पर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मिशन एवेरेस्ट 2024 से पहले एडवेंथ्रिल एडवेंचर टीम ने उत्तरकाशी में मौजूद 6387 मीटर कालानाग पीक की ऊंची चोटी में फहराया तिरंगा आपको बता दे बच्चों में पाई जाने वाली अनोखी बीमारी ऑटिज्म ग्रसित बच्चों को सपोर्ट के लिए एडवेंथ्रिल एडवेंचर मिशन एवेरेस्ट 2024 पर है। जिसके तहत एडवेंथ्रिल एडवेंचर के सदस्य वर्ष 2024 में एवरेस्ट पर चढ़ाई करेंगे। वहीं एवरेस्ट पर चढ़ाई करने से पहले एवरेस्ट के समकक्ष छोटे पर्वतों पर चढ़ाई की जाती है।

आपको पहले बता दे क्या है स्वलीनता यानी (ऑटिज्म) मस्तिष्क के विकास के दौरान होने वाला विकार है जो व्यक्ति के सामाजिक व्यवहार और संपर्क को प्रभावित करता है। हिन्दी में इसे 'आत्मविमोह' और 'स्वपरायणता' भी कहते हैं। इससे प्रभावित व्यक्ति, सीमित और दोहराव युक्त व्यवहार करता है जैसे एक ही काम को बार-बार दोहराना।ऑटिज्म बच्चों में पाए जाने वाला ऐसा डिसऑर्डर है, जिसकी मौजूदगी से बच्चा सामान्य बच्चों से कम सक्रिय होता है। इसी को लेकर एडवेंथ्रिल एडवेंचर टीम ऑटिज्म ग्रसित बच्चों को सपोर्ट के लिए एडवेंथ्रिल एडवेंचर मिशन एवेरेस्ट 2024 पर निकली है।

बता दे कलानाग चोटी पर चढ़ना इतना आसान नहीं था। एडवेंटरिल एडवेंचर ने खराब मौसम के चलते 6387 मीटर ऊंची चोटी को भी फतह कर लिया है। बता दें कि मिशन एवरेस्ट 2024 के तहत कलानाग चोटी पर की गई इस चढ़ाई को एडवेंटरिल की 4 सदस्यीय टीम ने 8 दिन में पूरा किया था. यह चढ़ाई अल्पाइन तकनीक से पूरी की गई थी। टीम का नेतृत्व एडवेंट्रिल के संस्थापक विजय प्रताप सिंह ने किया था। अन्य पर्वतारोहियों रघु बिष्ट, मनोज राणा, सागर कुंभारे और वेदांत रस्तोगी ने अभियान में अदम्य साहस दिखाया।

क्या होती है ऑटिज्म की बीमारीः ऑटिज्म बच्चों में पाए जाने वाला ऐसा डिसऑर्डर है, जिसकी मौजूदगी से बच्चा सामान्य बच्चों से कम सक्रिय होता है. साथ ही ऑटिज्म से ग्रसित बच्चा सामान्य बच्चों की तुलना में बेहद धीमी गति से प्रतिक्रिया देता है. कभी कभी बच्चा एक ही तरह की प्रतिक्रिया कई बार देता रहता है. यह एक तरह की जिकल एफिशिएंसी है. अमूमन इस तरह के बच्चे हमारे समाज में देखे जाते हैं. पर्वतारोही विजय का कहना है कि उसके परिवार में भी ऑटिज्म से ग्रसित एक बच्चा है. पिछले लंबे समय से वह अपने भतीजे को इस समस्या से जूझते हुए देख रहे हैं.

एसपी श्वेता चौबे ने IPC 41 (ए) की वर्कशॉप आयोजित कर प्रभावी पुलिसिंग का दिया मन्त्र

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली , 22 सितंबर ,उत्तराखंड पुलिस की सीनियर IPS और पुलिस अधीक्षक चमोली श्वेता चौबे के नेतृत्व में जिला पुलिस के सभी क्षेत्राधिकारियों/निरीक्षकों/थानाध्यक्षों को क्रिमिनल अपील संख्या- 1277/2014 अरनेश कुमार बनाम बिहार राज्य व अन्य में पारित माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेश के अनुपालन में भारतीय दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 41 (ए) का पालन किये जाने के सम्बन्ध में जानकारी दिये जाने हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस बेहद महत्वपूर्ण कार्यशाला में धर्मेन्द्र कुमार ज्येष्ठ अभियोजन अधिकारी चमोली ने उपस्थित सभी क्षेत्राधिकारियों/निरीक्षकों/थानाध्यक्षों को भौतिक रूप से और जो विवेचक उपस्थित नही हो पाये उन्हे गूगल मीट के माध्यम से ऑनलाईन रूप से प्रजेन्टेशन के

माध्यम से धारा 41(ए) सीआरपीसी के प्राविधानों के बारे में प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्वेता चौबे ने सभी विवेचको को बताये गये कानूनी प्राविधानों का नियमतः पूर्णतः पालन करने की हिदायत भी दी गयी जिससे प्रदेश की मित्र पुलिस की पहचान और शान को आगे बढ़ाने में जिले के हर पुलिस कर्मी द्वारा बेहतरीन भूमिका निभाई जा सके ।

दिखने लगा IPS केवल खुराना के नेतृत्व का असर निशुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर एक बड़ी पहल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 21 सितंबर ,नागरिक सुरक्षा विभाग के नये निदेशक केवल खुराना, आई.पी.एस. द्वारा विभाग का जिम्मा लेते ही नागरिक सुरक्षा के अधिकारियों, कार्मिकों एवं वार्डन्स के साथ बैठक कर समीक्षा की गयी थी। इस बैठक में नागरिक सुरक्षा से सम्बन्धित क्रियाकलापों के संबंध में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। विशेष रुप से केवल खुराना द्वारा यह निर्देशित किया गया था कि प्रत्येक माह निशुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर का आयोजन नागरिक सुरक्षा देहरादून द्वारा आयोजित किया जाएगा।

इसी क्रम में आईपीएस केवल खुराना ने बताया है कि 25 सितम्बर को नागरिक सुरक्षा संगठन देहरादून द्वारा मैक्स हॉस्पिटल के सहयोग से एक निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन स्थल भारत फर्नीचर निकट दिलाराम चौक देहरादून है, तथा जिसका समय प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक होगा। इस शिविर में मैक्स हॉस्पिटल के कुशल चिकित्सकों द्वारा परीक्षण और आवश्यकतानुसार दवाएं निशुल्क वितरित की जाएंगी। इस शिविर में मैक्स हॉस्पिटल के जनरल फिजिशियन, हड्डी रोग विशेषज्ञ, बाल रोग विशेषज्ञ, स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ एवं फिजियोथैरेपी विशेषज्ञ उपस्थित होंगे। इस शिविर के दौरान शुगर एवं ब्लड प्रेशर की जांच भी निशुल्क की जाएगी। शिविर में पूर्व रजिस्ट्रेशन शनिवार 24 सितंबर की शाम 6:00 बजे तक निम्न नाम/मोबाईल नंबरों पर के माध्यम से कराया जा सकता है डॉ सूर्य प्रकाश भट्ट (9412171795), श्री महेश गुप्ता (9634868122) तथा श्री उत्तम अधिकारी (8266077727)। रविवार दिनांक 25.09.2022 को भी प्रातः 9:00 बजे से रजिस्ट्रेशन कराया जा सकता है। इस शिविर में आम जनता के साथ साथ होमगार्ड, नागरिक सुरक्षा, पुलिस, ट्रैफिक, फायर, आदि जैसे विभाग के परिजन भी सम्मिलित हो सकते हैं। केवल खुराना द्वारा अपील की गई है कि अधिक से अधिक संख्या में समय पर पहुंचकर निशुल्क चिकित्सा शिविर का लाभ उठाएं। उक्त शिविर के सफल संपादन हेतु डिप्टी कमांडेंट जनरल श्री अमिताभ श्रीवास्तव द्वारा नागरिक सुरक्षा कार्यालय देहरादून के अधिकारियों, मुख्य वार्डन डा सतीश अग्रवाल, उपमुख्य वार्डन श्री उमेश्वर रावत, प्रभागीय वार्डन डा विश्वरमन, आदि के साथ बैठक कर विस्तृत दिशा निर्देश दिए गए हैं। विशेष रूप से यह निर्देशित किया गया है कि निशुल्क चिकित्सा शिविर में आने वाले आगंतुकों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। उनके द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि इस प्रकार के निशुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा शिविरों का आयोजन अब नियमित रूप से देहरादून शहर के अलग अलग क्षेत्रों में आगामी माह में भी निदेशक नागरिक सुरक्षा उत्तराखंड केवल खुराना आई.पी.एस. के निर्देशन में आयोजित किया जाता रहेगा।

10 से 15 वर्ष की बालिकाओं को हर्षल फाउंडेशन एवं अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन द्वारा दी गई पौष्टिक आहार की जानकारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

इस साल के पोषण माह अभियान के तहत महिलाओं और बच्चों में कुपोषण की समस्या का समाधान करने के लिए जिले के स्तर पर कई तरह की गतिविधियां चलाने की पहल की गई हैं।

इसी पोषण माह के तहत हर्षल फाउंडेशन एवं अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन देहरादून शाखा ने न्यू पटेल नगर स्थित शिव मंदिर में एक कार्यक्रम का आयोजन किया। वहा आस पास रहने वाली 10 वर्ष से 15 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं को स्वस्थ एवं पोषण आहार के बारे में जानकारी न्यूट्रिशन एक्सपर्ट रुपा सोनी द्वारा दी गई। उनसे योग, खानपान, दिनचर्या, स्वास्थ्य आदि

विषयों पर भी बातचीत की गई। सिंधु गुप्ता ने योग जीवन के लिए कितना आवश्यक है, इस पर प्रकाश डाला।

हर्षल फाउंडेशन की ट्रस्टी सेक्रेटरी रमा गोयल ने उनको स्वस्थ जीवन के महत्व के विषय में बताया। पहला सुख निरोगी काया, इस विषय को लेकर पोषक आहार पर विस्तार से जानकारी दी। रूपा सोनी द्वारा सभी 50 बालिकाओं को जूस, बिस्कुट एवं नमकीन दी गई। अपने व्यस्त समय में से इस सामाजिक कार्य को समय देने के लिए रूपा सोनी का बहुत बहुत शुक्रिया। इस अवसर पर राखी गुप्ता, सिन्धु गुप्ता, रुपा सोनी, रमा गोयल एवं लोकल मंदिर समिति के अधिकारी उपस्थित रहे।

स्कूली बच्चों के लिए अनिवार्य हो गया यह विषय, उत्तराखंड शिक्षा विभाग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देश में बढ़ती बीमारियों को देखते हुए उत्तराखंड सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। जिसमे स्च्होली छात्रों को शुरुआती दौर से स्वास्थ्य और स्वच्छता के बारे में बताया जाएगा। जिससे देश मई अन्य वाली बीमारियों से बचा जा सकेगा। उत्तराखंड शिक्षा विभाग की ओर से एक बड़ी खबर सामने आ रही है, जिसके मुताबिक कक्षा 1 से लेकर 12वीं तक के छात्रों के पाठ्यक्रम में 'स्वास्थ्य और स्वच्छता' विषय को शामिल किया गया है। बता दें कि इस विषय का सिलेबस भी तैयार कर लिया गया है। उत्तराखंड के राज्यपाल ने स्वास्थ्य और स्वच्छता विषय को पाठ्यक्रम में शामिल करने की मंजूरी दे दी है, जिसके बाद शिक्षा सचिव रविनाथ रमन द्वारा डीजी शिक्षा, निदेशक शिक्षा को आदेश जारी किए गए हैं।

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094
वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा